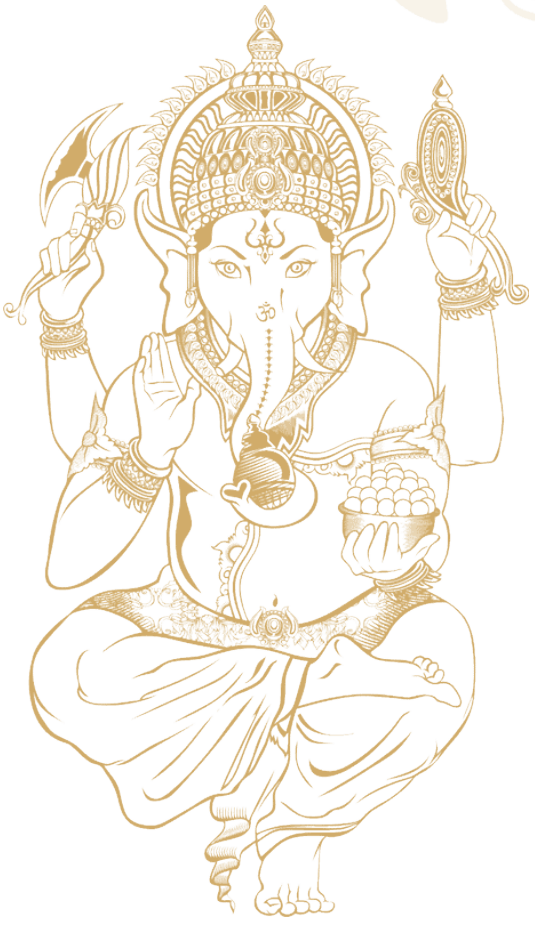

Karan sachdeva

Aparna

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120484904

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24-25/09/1997	जन्म तिथि	25-26/12/1997
बुध-गुरुवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 01:45:00	जन्म समय	03:00:00 घंटे
घटी 48:56:14	जन्म समय(घटी)	49:30:37 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Rohtak
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:54:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:23:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:10:30	सूर्योदय	07:14:39
18:15:25	सूर्यास्त	17:32:33
23:49:28	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:39

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 12वर्ष 6मा 13दि	09:37:01	कर्क	लग्न	तुला	14:05:51	गुरु 10वर्ष 10मा 17दि
शनि	07:59:02	कन्या	सूर्य	धनु	10:18:23	शनि
09/04/2010	22:53:10	मिथु	चंद्र	तुला	24:15:59	12/11/2008
08/04/2029	03:20:09	वृश्चि	मंगल	मक	12:08:27	12/11/2027
शनि 11/04/2013	23:13:57	सिंह	बुध व	वृश्चि	23:26:18	शनि 15/11/2011
बुध 21/12/2015	18:33:48	मक व	गुरु	मक	27:10:29	बुध 26/07/2014
केतु 28/01/2017	20:53:16	तुला	शुक्र	मक	10:05:26	केतु 03/09/2015
शुक्र 30/03/2020	24:16:11	मीन व	शनि	मीन	19:47:18	शुक्र 03/11/2018
सूर्य 12/03/2021	25:51:58	सिंह	राहु व	सिंह	19:32:42	सूर्य 16/10/2019
चन्द्र 11/10/2022	25:51:58	कुंभ	केतु व	कुंभ	19:32:42	चन्द्र 16/05/2021
मंगल 20/11/2023	11:04:14	मक व	हर्ष	मक	12:58:13	मंगल 25/06/2022
राहु 26/09/2026	03:24:42	मक व	नेप	मक	04:53:49	राहु 01/05/2025
गुरु 08/04/2029	09:29:53	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	12:43:20	गुरु 12/11/2027

लग्न-चलित

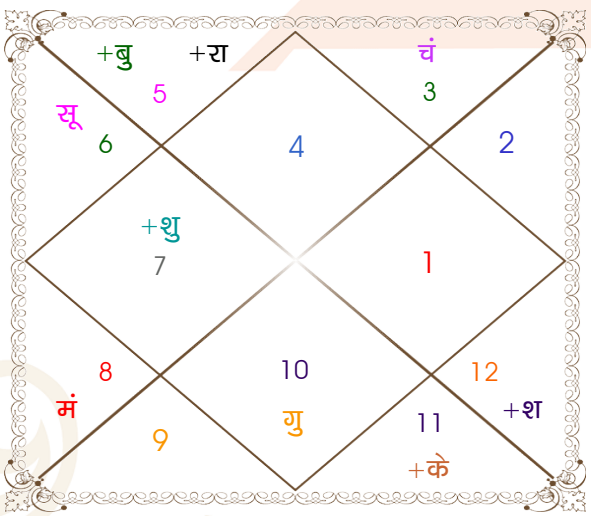

लग्न-चलित

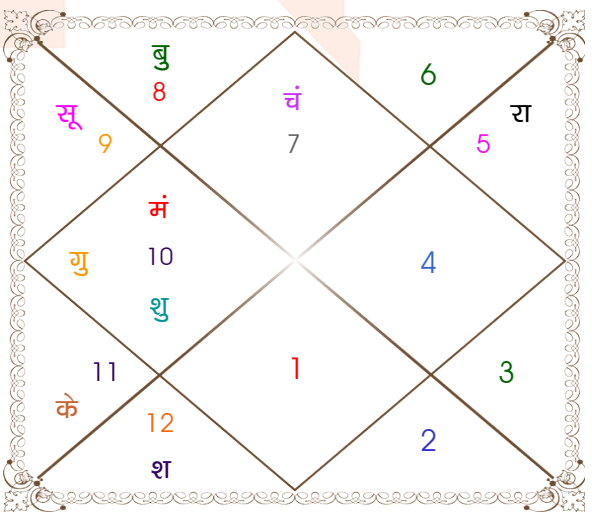

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

झंतंद`बीकमअं का वर्ग मार्जार है तथा ाचंतदं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार झंतंद`बीकमअं और ाचंतदं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

झंतंद`बीकमअं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

ाचंतदं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ाचंतदं कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु ाचंतदं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

झंतंदॅ बीकमअं तथा ।चंतदं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।